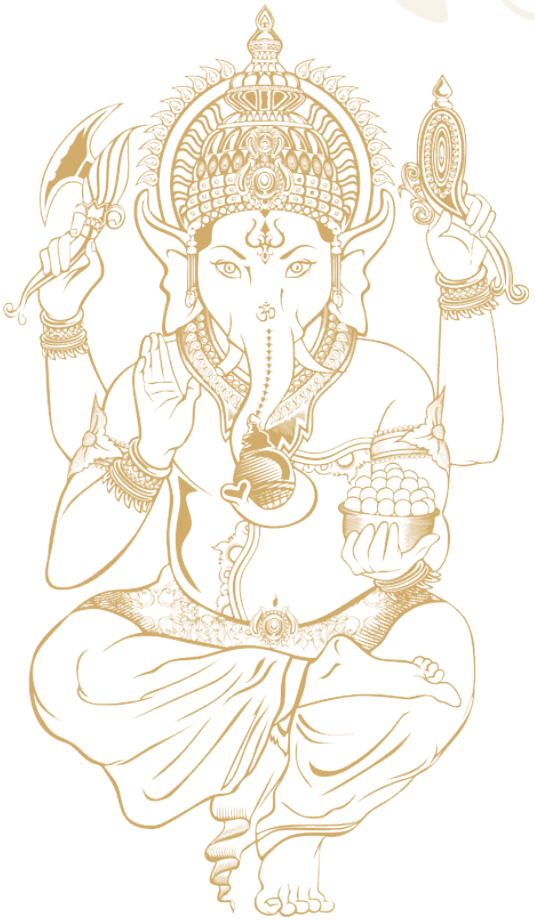

Mr Madhur Thakur

02 Feb 2026

11:11 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121165302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/02/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:11:00 घंटे**
इष्ट	40:04:50 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:49:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:41 घंटे
साम्पातिक काल	07:41:35 घंटे
सूर्योदय	07:09:04 घंटे
सूर्यास्त	18:00:57 घंटे
दिनमान	10:51:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:39:48 मकर
लग्न के अंश	28:04:05 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	28:04:05	314:28:32	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
सूर्य			मक	19:39:48	01:00:51	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	00:13:31	13:51:19	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	13:51:51	00:47:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	28:19:29	01:46:21	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:56:48	00:06:28	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	26:07:59	01:15:16	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	04:35:23	00:06:01	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:49:14	00:01:21	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:49:14	00:01:21	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:13	00:00:04	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:57:53	00:01:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:31:42	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	29:18:49	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

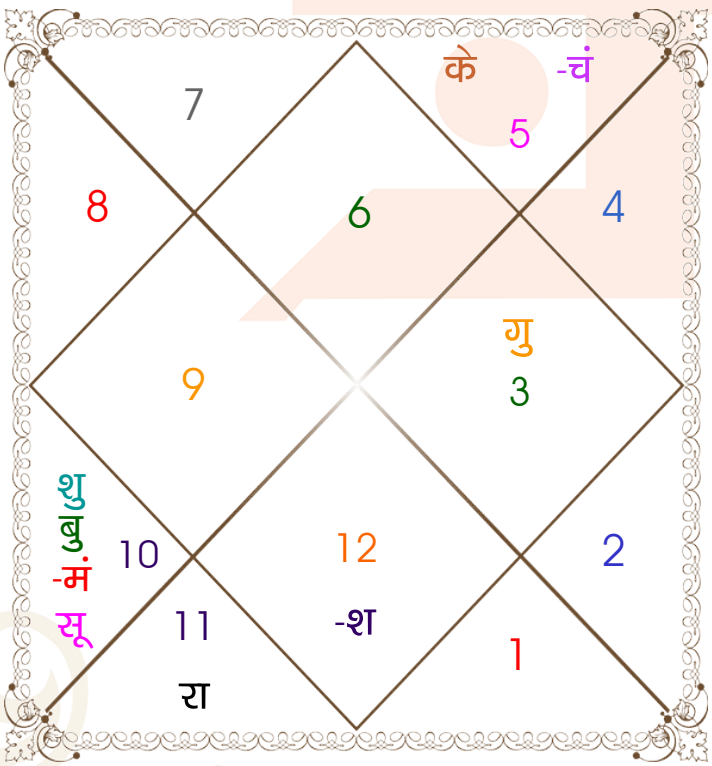

चन्द्र कुंडली

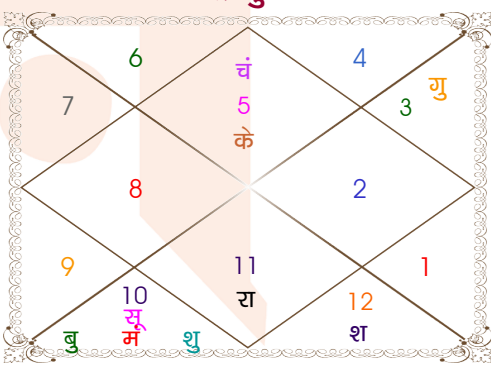

नवमांश कुंडली

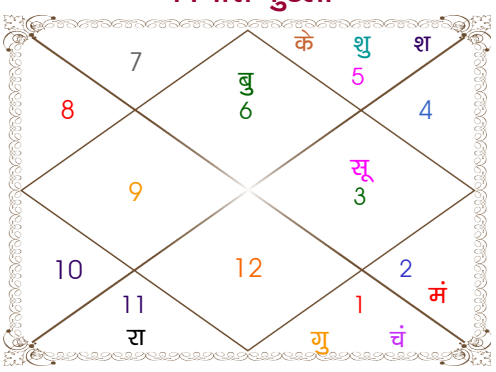

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 10 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/02/2026		21/12/2032		21/12/2052		22/12/2058		21/12/2068	
21/12/2032		21/12/2052		22/12/2058		21/12/2068		22/12/2075	
केतु	19/05/2026	शुक्र	22/04/2036	सूर्य	10/04/2053	चंद्र	22/10/2059	मंगल	19/05/2069
शुक्र	20/07/2027	सूर्य	22/04/2037	चंद्र	09/10/2053	मंगल	22/05/2060	राहु	07/06/2070
सूर्य	24/11/2027	चंद्र	22/12/2038	मंगल	14/02/2054	राहु	21/11/2061	गुरु	14/05/2071
चंद्र	24/06/2028	मंगल	21/02/2040	राहु	09/01/2055	गुरु	23/03/2063	शनि	21/06/2072
मंगल	21/11/2028	राहु	20/02/2043	गुरु	28/10/2055	शनि	21/10/2064	बुध	19/06/2073
राहु	09/12/2029	गुरु	21/10/2045	शनि	09/10/2056	बुध	23/03/2066	केतु	15/11/2073
गुरु	15/11/2030	शनि	21/12/2048	बुध	15/08/2057	केतु	22/10/2066	शुक्र	15/01/2075
शनि	25/12/2031	बुध	22/10/2051	केतु	21/12/2057	शुक्र	21/06/2068	सूर्य	23/05/2075
बुध	21/12/2032	केतु	21/12/2052	शुक्र	22/12/2058	सूर्य	21/12/2068	चंद्र	22/12/2075

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/12/2075		21/12/2093		22/12/2109		22/12/2128		22/12/2145	
21/12/2093		22/12/2109		22/12/2128		22/12/2145		00/00/0000	
राहु	03/09/2078	गुरु	08/02/2096	शनि	25/12/2112	बुध	21/05/2131	केतु	03/02/2146
गुरु	27/01/2081	शनि	22/08/2098	बुध	04/09/2115	केतु	17/05/2132		00/00/0000
शनि	04/12/2083	बुध	28/11/2100	केतु	13/10/2116	शुक्र	18/03/2135		00/00/0000
बुध	22/06/2086	केतु	04/11/2101	शुक्र	14/12/2119	सूर्य	22/01/2136		00/00/0000
केतु	10/07/2087	शुक्र	05/07/2104	सूर्य	25/11/2120	चंद्र	23/06/2137		00/00/0000
शुक्र	10/07/2090	सूर्य	23/04/2105	चंद्र	26/06/2122	मंगल	20/06/2138		00/00/0000
सूर्य	04/06/2091	चंद्र	23/08/2106	मंगल	05/08/2123	राहु	06/01/2141		00/00/0000
चंद्र	03/12/2092	मंगल	30/07/2107	राहु	11/06/2126	गुरु	14/04/2143		00/00/0000
मंगल	21/12/2093	राहु	22/12/2109	गुरु	22/12/2128	शनि	22/12/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 10 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ कन्या का नवमांश एवं वृषम लग्न का भी उदय आपके जन्मकाल ही हुआ था। कन्या तथा वृष राशि के संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह सभी संयोग आपके अनुकूल है। आपके जन्म का प्रभाव यह भी निश्चित करता है कि आपकी अभिलाषा के अनुरूप आपका जीवन आरामदेह, फलदायी एवं आनन्द प्रियता के साथ व्यतीत हो सकता है।

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है। आपकी उन्नत और चौड़ी ललाट तथा प्रभावशाली आंखे आपको सुव्यवस्थित बनाएगा तथा आपके सम्पर्क में आनेवाले सभी प्राणी आपको एवं आपके व्यक्तित्व को पसंद करंगे।

आप व्यक्तिगत रूप से साहसी एवं व्यवहारिक प्राणी है। आप शक्ति संपन्न तथा सामुदायिक भावना के प्राणी हैं। आप किसी भी प्रकार के आयोजनों का दायित्व ग्रहण कर, उस कार्यक्रम अर्थात् योजना को पूर्ण सफल बना सकते हैं। आप में इतनी क्षमता विद्यमान है कि आप बड़ी उपलब्धि प्राप्त करेंगे, परन्तु आप किसी भी वस्तु को सुरक्षित रखने के योग्य नहीं हैं क्योंकि आप मात्र एक अति शक्ति सम्पन्न व्यक्ति ही नहीं बल्कि आप महान खर्चीला अर्थात् धन को (नाश) अपव्यय करने वालें प्राणी हैं। आप सदैव प्रभावशाली तरीके से किसी भी आयोजनों में सम्मिलित होकर मुफ्त में विशिष्टता प्राप्त करते हो। आप स्वयं के लिए तथा अपने परिवारिक सदस्यों के लिए अपने ढंग से वस्त्राभूषणादि पर बहुत खर्च करोगे। सम्प्रति आप ऐसा चाहते है कि हर परिस्थिति में अधिक से अधिक बहुत व्यय करें जो सामान्य जीवन के लिए उपयुक्त हैं।

तथापि आपमें एक छोटी सी नकारात्मक भावना विद्यमान है तथा यदा कदा आप सहजता पूर्वक इसे सहज समझ लेते हो। जब इस के संबंध में सावधानी बरतना अपेक्षित हो जाता है तो इस विषय को स्थगित कर देते हैं। आपको अपनी अकर्मण्यता वाली मुद्रा का परित्याग करना होगा। तब ही आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में एकाग्रता प्राप्त कर सकेंगे। यह आपके लिए उच्चतम लाभजनक स्थिति प्रमाणित होगी। विशेषतः आपके जीवन का 33 वें से 38 वें वर्ष तक आप सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंच सकते हैं।

आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप पराविज्ञान एवं ज्योतिष विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करने के प्रति रुचिवान तथा आकर्षित है। आपकी धारणा परोपकारी कार्य के सम्पादन संबंध में तथा पिछड़े लोगों तथा दुर्बल श्रेणी के व्यक्तियों को मदद करने की रहती है।

आपके संबंध में गम्भीर रूप से विचारणीय है कि आप समसामयिकी अनुकूल व्यंग विनोद प्रिय वार्त्तालाप करके जन सामान्य के द्वारा उच्च मूल्यांकित किए जाते हैं। अर्थोपार्जन के लिए आप निश्चित दिशा सुनिश्चित कर चुके हैं। आप सदैव अपनी पत्नी एवं सन्तान से युक्त सुखद घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए उपयुक्त व्यवसायों में अच्छी प्रकार व्यवहारणीय धन्धा यथा खेल-कूद

की सामग्री, मोटर पार्ट्स के अतिरिक्त पार्ट्स का व्यवसाय करना उत्तम होगा। पार्टनरशिप के व्यवसाय हेतु बुद्धिमान व्यक्ति के साथ संबंधित होकर वस्त्र विक्रय तथा आभूषण रत्नादि का धन्धा भी अनुकूल हो सकता है। यदि आप कोई नौकरी करना चाहते हैं तो चिकित्सक, अभियंता, वैज्ञानिक एवं रत्नाकर की सेवा धन्धा प्रारंभ कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य निःसन्देह अति उत्तम रहेगा। परन्तु कुछ वर्षों के पश्चात् शरीर का वाह्य सतह अन्य प्रकार के रोगादि से प्रभावित हो सकता हैं। आप किडनी या मूत्रासय रोग से भी ग्रसित न होवें। अस्तु इन संभावित रोगादि के प्रकोप से सर्तक रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, सफेद, सूआपंखी एवं हरा रंग उत्तम है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं नीला रंग त्याजनीय है। आपके लिए अंकों में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक आपके लिए लाभप्रद है। परन्तु अंक 1 एवं 8 अंक हानिकारक है।